font>

Title: Regarding closure of Barauni oil refinery in Bihar.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, बिहार आर्थिक बदहाली से गुजर रहा है, जितने कारखाने हैं, वे बन्द हैं। यहां तक कि खाद का कारखाना बरौनी में था, वह भी पिछले दिनों बन्द हो चुका है। बिहार में उस कारखाने के लिए आन्दोलन, धरना, प्रदर्शन और सदन में भी कई बार चर्चा हुई।

अब एक नई परिस्थिति फिर बिहार में पैदा हो रही है। बरौनी रिफाइनरी जो सन 1964 में मूलतः असम कच्चे तेल (लो सल्फर क्रूड) को साफ करने के लिए चालू की गई थी, जिसकी क्षमता उस वक्त 2.0 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिर्वा थी। आवश्यकता को देखते हुए बाद में क्षमता 3.3 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिर्वा बढ़ा दी गई। परन्तु र्वा 1999-2000 में असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी के चालू होने के बाद बरौनी रिफाइनरी को असम से कच्चे तेल की आपूर्ति बन्द कर दी गई। इसके परिणामस्वरूप बरौनी रिफाइनरी को आयातित कच्चे तेल को साफ करना पड़ा। वर्तमान परिदृश्य में अनिवार्य रूप से बरौनी रिफाइनरी को लो आयातित सल्फर क्रूड साफ करना पड़ता है, जिसकी कीमत असम क्रूड और हाई सल्फर क्रूड से अधिक है।

हम आपको यह बताना चाहते हैं कि 27.11.2002 को पैट्रोलियम मिनिस्टर के कार्यालय में एक बैठक हुई थी, जिसमें पैट्रोलियम मंत्रालय के अलावा पैट्रोलियम कम्पनी के पदाधिकारी भी मौजूद थे। उस बैठक में यह आग्रह किया गया था कि रॉवा तेल आबंटन वहां के लिए बढ़ाया जाये ताकि बरौनी रिफाइनरी बन्द नहीं हो सके। बरौनी रिफाइनरी को चालू करने के लिए मात्र दो उपाय हैं। एक रॉवा कच्चे तेल को वहां पर ज्यादा से ज्यादा बढ़ाया जाये, जिससे रिफाइनरी का काम चल सके। दूसरे बिहार सरकार ने जो उस पर टैक्स लगाया है, या तो उस टैक्स में कमी की जाये या भारत सरकार आल्टरनेटिव व्यवस्था करे। अगर ये दोनों व्यवस्थाएं नहीं हो सकीं तो बरौनी रिफाइनरी बन्द होने के कगार पर है।

हम आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहते हैं कि बिहार की बदहाली और बिहार की परिस्थिति को देखते हुए बरौनी रिफाइनरी बन्द नहीं हो, उसके लिए सरकार कदम उठाये ताकि वहां के लोगों का रोजी रोजगार समाप्त नहीं हो। जिन लोगों को अभी रोजी रोजगार प्राप्त है, वह समाप्त नहीं हो सके। इसलिए हम आपसे चाहेंगे, सरकार मौजूद है, या तो सरकार इसे गम्भीरता से स्वीकार करते हुए अपनी तरफ से आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दे या हम आपसे चाहेंगे कि आप आसन से सरकार को डायरैक्शन दीजिए कि इस गम्भीर सवाल पर बिहार की परिस्थिति को देखते हुए आवश्यक कदम उठाये।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : आपकी कहीं कोई सुनवाई है, कोई आपका नोटिस ले रहा है क्या?â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Raghunath Jha, your name will be associated with this. You can now speak on your 'Zero Hour' issue. आपका नोटिस है, इसलिए आपको इजाजत दे रहा हूं।